www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 जातिवाद पर प्रतिबंध योगी सरकार का...

3 भारत सरकार द्वारा 'छठ' को यूनेस्को में शामिल...

4 जीएसटी की घटी दरों से लोगो में खुशी की...

वर्ष: 9 | अंक: 331 | दिल्ली, बुधवार, 24 सितम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह ने गांधीनगर में किया वृक्षारोपण

गांधीनगर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आयोजित वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और लोगों से पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया। यह अभियान प्रतीकात्मक रूप से लोगों को अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे पहले, 19 सितंबर को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर, ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय द्वारा उनके जन्मदिन पर विशेष उपहार के रूप में भेंट किया गया एक कदम्ब का पौधा लगाया। दोनों देशों के बीच मित्रता और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक यह पौधा, राजा चार्ल्स ने प्रधानमंत्री को बुधवार, 17 सितंबर को उनके 75वें जन्मदिन पर भेंट किया था। राजा चार्ल्स द्वारा भेंट किया गया कदम्ब का पेड़ 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल से प्रेरित था। बुधवार को, ब्रिटिश उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में इस उपहार के बारे में विवरण साझा करते हुए कहा, "महामहिम राजा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन पर एक कदम्ब का पेड़ भेंट करके अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की है। प्रधानमंत्री मोदी की 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल से प्रेरित यह भाव पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एनडीए कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल हुये नीतीश कुमार

पूर्वी चंपारण (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पूर्वी चंपारण जिला के बंजरिया थाना, चौलाहा बाजार मैदान में एनडीए कार्यकताओं के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी यहां बड़ी संख्या में उपस्थित हुए हैं, आपका अभिनंदन करता हूं। वर्ष 2005 से बिहार को आगे बढ़ाने में हमलोग निरंतर लगे हुए हैं। आप सब जानते हैं कि पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। पहले बिहार का बहुत बुरा हाल था। विकास का कोई काम नहीं होता था, जबकि जनता ने 15 साल उनलोगों को मौका दिया। उस समय शाम के बाद लोग घरों से बाहर निकलने में डरते थे। समाज में काफी विवाद होता था। पढ़ाई और इलाज का कोई इंतजाम नहीं था। सड़कें जर्जर थी। बिजली की आपूर्ति नहीं के बराबर हुआ करती थी।

सीएम रेखा गुप्ता ने लगभग 18 साल के बाद इंटर-स्टेट AC बस सेवा का किया उद्घाटन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। नवरात्रि के शुभ अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के महाराणा प्रताप ISBT कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस टर्मिनल से उत्तरप्रदेश के बड़ौत तक चलने वाली पूरी तरह से इलेक्ट्रिक इंटर-स्टेट AC बस सेवा का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने ऑटोमेटेड फेयर कलेक्शन सिस्टम के उद्घाटन के साथ ही चलो ऐप को ONDC (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया। इंटर-स्टेट बस सेवा के उद्घाटन के अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह के साथ यूपी के बागपत से सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान, दिल्ली परिवहन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कैनरा बैंक के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उद्घाटन के अवसर पर दिल्ली परिवहन निगम और कैनरा बैंक के बीच AFCS के पूरे नेटवर्क में रोल आउट के लिए MoU पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसी दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इंटर-स्टेट बसों के कंडक्टरों को ई-टिकट बनाने के लिए POS मशीनें वितरित की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर दिल्ली के नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार की हर नई पहल इतिहास बन जाती है। उन्होंने जनता के लिए किए जा रहे दिल्ली सरकार के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करते हुए कहा कि सरकार के प्रयास से दिल्लीवासियों को रोजमर्रा की सुविधाएं और कई तरह की आधुनिक सेवाएं मिल रही हैं। सीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों, DTC कर्मचारियों के परिवार और बैंक के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सरकारी कर्मियों की ऊर्जा, रचनात्मकता और समर्पण की जमकर सराहना की और अधिकारियों को दिल्ली के विकास का सच्चा वाहक (हनुमान) बताया।

इंटर-स्टेट बस सेवा की शुरूआत के बाद मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि दिल्ली ने लगभग 18 वर्षों तक अपनी इंटर-स्टेट बस सेवा नहीं चलाई, जबकि अन्य राज्यों की बसें राजधानी दिलली में चलती रही। उन्होंने कहा कि जब राजधानी में निजी बसें चल सकती थीं, तो दिल्ली सरकार की क्यों नहीं? हमारे नागरिकों को अच्छी से अच्छी सुविधाएं हर हाल में मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि दिल्ली-बड़ौत एसी बस सेवा केवल पहला कदम है। बहुत जल्द कई और नए इंटर-स्टेट रूट पर विशेष तौर पर धार्मिक स्थलों के लिए हर महीने बस सेवा शुरू की जाएगी। AC बस सेवाएं न केवल दैनिक यात्रा को सुहाना और आसान बनाएंगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देने का काम करेंगी।

पिछली सरकार की विफलताओं और राजस्व घाटे को लेकर साकारात्मक भविष्य की दिशा पर बात करते हुए सीएम ने सवाल पूछा कि ऐसे रेवेन्यू हासिल करने वाले सेक्टर को पिछली सरकारों ने आखिर क्यों बंद कर दिया। उन्होंने कहा हमारी सरकार नए ऑटोमेटेड फेयर कलेक्शन सिस्टम को भ्रष्टाचार और अक्षमताओं को खत्म करने के लिए डिजाइन किए हैं। यह नया सिस्टम फेयर कलेक्शन में पारदर्शिता लाएगा। बिके हुए टिकटों की संख्या का बस यात्रियों से मिलान संभव होगा। बस फेयर से हुई पूरी आमदनी किसी दूसरे के जेब में नहीं, बल्कि सीधे DTC के बैंक खाते में जाएगी। जब सरकार की आमदनी बढ़ेगी, तभी हम जनता की समस्याओं का सही तरीके से समाधान कर पाएंगे। हमारी सरकार का लक्ष्य DTC को रेवेन्यू सरपल्स वाला संस्था बनाकर हर नागरिक तक इसका लाभ पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कई महत्वपूर्ण परिचालन सुधारों पर प्रकाश डालते हुए घोषणा की कि रूट रेशनलाइजेशन के जरिए सभी मार्गों का पुनर्गठन किया जाएगा, ताकि लास्ट माइल कनेक्टिविटी के साथ राजधानी दिल्ली के हर कोने तक बसें पहुंच सकें।

सेवा पखवाड़ा के दौरान स्वच्छता अभियान दिल्ली के रिंग रोड पर चलाया गया: पंकज कुमार सिंह

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा-2025 के दौरान स्वच्छता ही सेवा अभियान में खुद शामिल हुए। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत दिल्ली के धौला कुआं रिंग रोड पर स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने खुद हाथ में झाड़ू लेकर सफाई अभियान का नेतृत्व किया और स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए सैकड़ों लोगों के साथ पूरे इलाके में सफाई अभियान चलाया। जिसमें डॉक्टर पंकज कुमार सिंह के साथ स्थानीय लोगों ने स्वच्छता ही सेवा अभियान में पूरे समर्पण और उत्साह से भाग लिया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के बाद दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में राजधानी दिल्ली में 17 सितंबर से लेकर 2 अक्तूबर तक सेवा पखवाड़ा-2025 अभियान चलाया जा रहा है। सेवा पखवाड़ा में हमने फैसला किया है कि हम दिल्ली के बाहरी इलाकों के साथ-साथ पूरी दिल्ली की साफ-सफाई करेंगे। हमारे प्रधानमंत्री जी ने हम लोगों को लोगों की सेवा करने की जिस भावना को सिखाया है। उसके तहत स्वच्छ जीवन, सुंदर जीवन, साफ जीवन के साथ दिल्ली सुंदर, स्वच्छ और स्वस्थ रहे। इसके लिए स्वच्छता अभियान पूरे दिल्ली में चलाया जा रहा है। सफाई अभियान में हमारे सभी विधायक, पार्षद और हर कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर अपना योगदान दे रहे हैं। दिल्ली सरकार सेवा पखवाड़ा के दौरान राजधानी में 75 से ज्यादा कार्यक्रम चला रही है। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में स्वच्छता अभियान, दिल्ली की जनता को अच्छी बस सुविधा देने के लिए कल हमारी सरकार ने हरि नगर बस डिपो का शिलान्यास किया, तो वहीं, आज इंटर स्टेट एसी बस सर्विस की शुरूआत की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि जनसेवा की भावना से हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमें जो कुछ भी सिखाया है और जनता से दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने का जो संकल्प लिया है, उन सभी काम को हमारी सरकार सेवा पखवाड़े के दौरान करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन और दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में राजधानी दिल्ली को कूड़ा-कचरा से मुक्त कर स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प और भी मजबूत हुआ है। स्वच्छता ही सेवा अभियान सिर्फ कूड़ा-कचरा हटाने की पहल भर नहीं, बल्कि दिल्ली को स्वच्छ और स्वस्थ राजधानी बनाने की दिशा में चल रहा एक जन आंदोलन है, जिसमें दिल्ली के हर नागरिक की भागीदारी बेहद जरूरी है।

सेवा पखवाड़ा के तहत चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान में आज दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के साथ ही दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, बीजेपी विधायक, पार्षद और कार्यकर्ता दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में रिंग रोड और उसके आसपास के इलाके की साफ-सफाई कर स्वच्छता कायम करने में अपना योगदान दिया ।

धान की निर्बाध और सुचारू खरीद की रिवायत इस साल भी बरकरार रखी जाएगी: मुख्यमंत्री

भगवंत सिंह मान ने प्रदेश में चल रहे खरीद कार्यों की समीक्षा की

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पिछले तीन वर्षों में किसानों को फसल बेचने में किसी भी प्रकार की दिक्कत न आने का दावा करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछले वर्षों की तरह इस साल भी राज्य सरकार पंजाब में सुचारू और समयबद्ध खरीद का इतिहास दोहराएगी।

यहां हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चल रहे खरीद कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि एक ओर धान की सुचारू और तत्काल खरीद सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार हर संभव कदम उठा रही है, वहीं दूसरी ओर किसानों को समय पर भुगतान भी किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश के किसानों को अपनी फसल मंडियों में बेचने में किसी भी तरह की कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि धान की खरीद 15 सितंबर से शुरू हो चुकी है और 175 लाख मीट्रिक टन झोने की खरीद के लिए पहले ही व्यापक प्रबंध किए गए हैं। धान की निर्बाध और सुचारू खरीद की वकालत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के किसानों की मेहनत से उगाई गई फसल का दाना-दाना खरीदा जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी किसान को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना करना पड़े तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राज्य की खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए कि मौजूदा सत्र में धान की खरीद के लिए पूरी तरह तैयार रहें। उन्होंने कहा कि पंजाब मंडी बोर्ड ने खरीदी सत्र 2025-26 में झोने की खरीद के लिए 1822 नियमित खरीद केंद्रों को अधिसूचित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी नोटिफाइड मंडियां खाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले विभाग, पंजाब को आवंटित की गई हैं। उन्होंने किसानों से भी अपील की गई कि वे अपनी फसल पूरी तरह सुखाकर मंडियों में लाएं ताकि उन्हें बिक्री में किसी भी प्रकार की देरी का सामना न करना पड़े।

धान का दाना-दाना खरीदने की राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे संपूर्ण खरीद प्रक्रिया की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करेंगे ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पंजाब में फसल खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारू बनाने के लिए कई उदाहरणीय पहल की हैं। उन्होंने कहा कि हर स्तर पर ठोस प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश की मंडियों में सुचारू और निर्बाध खरीद तथा खरीदे गए धान की तेजी से भुगतान सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों का धान बिना किसी देरी के खरीदा और भुगतान किया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पूरी खरीद प्रक्रिया किसानों को किसी प्रकार की परेशानी दिए बिना पूरी की जाएगी।

हर पंजाबी को मिलेगा 10 लाख रुपए का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा कवर: डॉ. बलबीर सिंह

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार व्यापक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत राज्य के 3 करोड़ निवासियों को 10 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज मिलेगा।

इस रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का ऑनलाइन उद्घाटन राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (एस एच ए) कार्यालय से किया गया। इस परियोजना की शुरूआत दो ज़िलों–तरनतारन और बरनाला–से की जा रही है। कैबिनेट मंत्री, जिनके साथ प्रमुख सचिव स्वास्थ्य कुमार राहुल और एस एच ए की सीईओ संयम अग्रवाल भी मौजूद थे, ने बताया कि जनता के लिए सुगम और सुलभ पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए इन दोनों ज़िलों में रजिस्ट्रेशन कैंप लगाए गए हैं। पहले ही दिन 1480 परिवारों ने इस योजना के लिए अपना नाम दर्ज करवाया।

पंजाब के लिए इसे ऐतिहासिक दिन करार देते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इस पहल के साथ पंजाब देश का पहला राज्य बन गया है, जो हर नागरिक को बिना किसी आय शर्त के 10 लाख रुपए का व्यापक स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इन दो ज़िलों के अनुभवों के आधार पर रजिस्ट्रेशन अभियान को शीघ्र ही पूरे राज्य में लागू किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ने आगे बताया कि यह योजना आम लोगों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम करने के लिए बनाई गई है। इसके तहत लाभार्थी राज्य भर के सभी सरकारी अस्पतालों और 500 से अधिक सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. बलबीर सिंह ने स्पष्ट किया कि पात्रता मानदंड सरल और निष्पक्ष हैं। पंजीकरण के लिए सिर्फ वोटर आईडी कार्ड और आधार कार्ड की आवश्यकता होगी और योजना का लाभ लेने के लिए आय की कोई शर्त नहीं होगी।

उन्होंने विस्तार से बताया कि इस योजना के अंतर्गत चिकित्सकीय सेवाओं की एक व्यापक सूची शामिल है, जिसके तहत 2300 से अधिक स्वास्थ्य पैकेजों में बड़ी और छोटी बीमारियों के साथ-साथ दुर्घटनाओं से जुड़ी सर्जरी भी कवर की गई हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि यह सुनिश्चित किया गया है कि पंजाब की जनता के लिए सभी आवश्यक चिकित्सकीय सेवाएं इस व्यापक स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत कवर हों।

स्वच्छता एवं हाइजीन से स्वास्थ्य पर घटेगा खर्च: मंत्री रविन्द्र इन्द्राज

'दिल्ली को स्वच्छ बनाने में सफाई कर्मचारियों का करें सहयोग'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत मंगलवार को रिंग रोड की सफाई के अभियान में दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शालीमार बाग में स्थानीय नागरिकों, अनेक सामाजिक संस्थाओं और सफाई कर्मचारियों के साथ सहभागिता की।

उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान एक जन आन्दोलन बना। इस आन्दोलन के तहत अब माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में विकसित दिल्ली लक्ष्य के लिए दिल्ली वासी, दिल्ली को कूड़े से आजादी के लिए पूरे समर्पण से जुटे हैं।

अभियान के दौरान समाज कल्याण मंत्री श्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने स्वयं कूड़ा उठाकर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पानी की बोतलें, फूड रैपर, प्लास्टिक के थैले इधर-उधर फेंकने से सफाई कर्मचारियों के लिए एकत्र करना मुश्किल होता है, साथ ही नालियों में जाने से नालियां चोक होती हैं और जल भराव की समस्या होती है। अभियान के दौरान मॉडर्न पब्लिक स्कूल के छात्रों ने भी लोगों को स्वच्छता को लेकर जागरूक किया। कैबिनेट मंत्री ने आग्रह किया कि सफाई कर्मचारियों का सहयोग कर और नियमित श्रमदान कर दिल्ली को स्वच्छ बनाएं। स्वच्छता एवं हाइजीन का पालन करने से सेहत अच्छी रहेगी और स्वास्थ्य पर खर्च घटेगा।

श्री इन्द्राज सिंह ने दिल्लीवासियों से अपील की कि यदि हमें विकसित दिल्ली बनानी है, तो स्वच्छ दिल्ली का संकल्प भी साथ लेना होगा। उन्होंने कहा, स्वच्छ भारत केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। आइए, हम सभी इसे जीवन का हिस्सा बनाकर नए, सशक्त भारत और स्वच्छ दिल्ली के निर्माण में योगदान दें।

दिल्ली में भव्य रामलीला महोत्सव का शुभारंभ, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने की आराधना

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली में आयोजित विभिन्न रामलीला आयोजनों में सम्मिलित होकर भगवान श्रीराम की आराधना की, उनका आशीर्वाद लिया और सभी के कल्याण की मंगलकामना की। इस अवसर पर विधायक श्री सतीश उपाध्याय एवं श्रीमती शिखा राय भी उपस्थित थी। श्री गुप्ता ने लाल किला मैदान में आयोजित नव श्री धार्मिक लीला में गणेश वंदना में भाग लेकर भगवान श्रीराम और माता सीता की पूजा-अर्चना की और उनके आशीर्वाद की कामना की। कार्यक्रम की शुरूआत रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों से हुई जिसके बाद रामलीला का विधिवत मंचन हुआ।प्रारंभिक मंचन में भगवान श्रीराम के अवतार का उद्देश्य दर्शाया गया, जिसमें दिखाया गया कि जब-जब अधर्म, अत्याचार और अन्याय बढ़ता है, तब-तब भगवान विष्णु धर्म की रक्षा और न्याय की पुनः स्थापना हेतु अवतार लेते हैं। श्री गुप्ता ने लाल किला स्थित परेड ग्राउंड में श्री धार्मिक लीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव के भव्य उद्घाटन समारोह में भाग लिया और इसे भगवान श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा का सजीव चित्रण बताया। उन्होंने कहा कि रामलीला केवल एक मंचन नहीं, बल्कि यह हमें जीवन के सच्चे उद्देश्य की याद दिलाती है कि हमें सदैव सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलना चाहिए।

प्रथम भव्य 'सनातन संस्कारम रामलीला उत्सव' का शुभारंभ

रामलीला के जरिये संस्कृति और सामाजिक संदेशों का प्रचार-रविन्द्र इंद्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की रामलीला समिति के चेयरमैन एवं समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने सोमवार को पूज्य संतों के आशीर्वाद एवं बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रथम भव्य सनातन संस्कारम रामलीला उत्सव का शुभारम्भ किया।

डीडीए रामलीला ग्राउंड, सेक्टर-23, रोहिणी में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में साध्वी प्राची, अजय भाई जी एवं देशभर से पधारे संतों के साथ दुर्गा पूजा समिति के चेयरमैन एवं पर्यावरण मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी रामलीला का आनंद लिया। परम्परा से भविष्य की ओर थीम पर आयोजित इस रामलीला में 100 से अधिक कलाकार प्रस्तुति दे रहे हैं। पहले दिन रावण तपस्या, कुबेर से लंका विजय, नारद मोह और रावण-वेदवती संवाद का मंचन हुआ। स्व का बोध विषय पर श्रद्धालुओं को आचार, विचार और व्यवहार का ज्ञान भी मंच के माध्यम से प्रदान किया गया। श्री रविन्द्र इन्द्राज ने तय मानकों के अनुरूप धार्मिक आयोजनों के लिए रात 12 बजे तक लाउड स्पीकर की अनुमति का स्वागत करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी ने यह सुनिश्चित किया है कि धार्मिक संगीत, नवरात्रि और रामलीला जैसे आयोजनों में श्रद्धालुओं की भावनाओं को सम्मान मिले और किसी भी प्रकार की बाधा न आये। नई पीढ़ी को धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना और उन्हें उनकी दिव्य विरासत का गौरव अनुभव कराना ही इस आयोजन का उद्देश्य है।

इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। इस भव्य रामलीला से न केवल श्रद्धालु जुड़ेंगे, बल्कि समाज में सकारात्मक और प्रेरक संदेश भी पहुंचेंगे।

सम्पादकीय

भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीजा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है। निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीजा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीजा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आईटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है। भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी ‘अमेरिका फर्स्ट’ नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी जरूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए। पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीजा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीजा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीजा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी। अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जयंती

भीकाजी कामा

जन्म: 24 सितंबर, 1861; मृत्यु-13 अगस्त, 1936) का नाम क्रांतिकारी आन्दोलन में विशेष उल्लेखनीय है, जिन्होंने विदेश में रहकर भी भारतीय क्रांतिकारियों की भरपूर मदद की थी। उनके ओजस्वी लेख और भाषण क्रांतिकारीयों के लिए अत्यधिक प्रेरणा स्रोत बने। भीकाजी रुस्तम कामा भारतीय मूल की फ़्राँसीसी नागरिक थीं, जिन्होंने लन्दन, जर्मनी तथा अमेरिका का भ्रमण कर भारत की स्वतंत्रता के पक्ष में माहौल बनाया। वे जर्मनी के स्टटगार्ट नगर में 22 अगस्त 1907 में हुई सातवीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में तिरंगा फहराने के लिए सुविख्यात हैं। उस समय तिरंगा वैसा नहीं था जैसा वर्तमान में है। ये मैडम कामा के नाम से प्रसिद्ध हैं।

पुण्यतिथि

भूपति मोहन सेन

जन्म-3 जनवरी, 1888; मृत्यु-24 सितंबर, 1978) भारत के जानेमाने गणितज्ञ और भौतिक विज्ञानी थे। उन्होंने क्वांटम यांत्रिकी और द्रव यांत्रिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया था। उन्हें साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिये पद्म भूषण (1974) से सम्मानित किया गया था।

कल मिलेंगे

गोलू: क्या हाल है भाई?
दोस्त: ठीक हूं, तू बता
गोलू: और बता...पढ़ाई कैसी चल रही है?
दोस्त: हम दोनों केवल दोस्त हैं तो दोस्ती निभा...रिश्तेदारों जैसी पूछताछ मत कर!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

जातिवाद पर प्रतिबंध योगी सरकार का ऐतिहासिक कदम

भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था-जातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था

-ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने समाज में जाति आधारित विद्वेष को ही नहीं बल्कि विभेद को भी समाप्त करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए सद्भाव के साथ सबके विकास को बल देने का सूझबूझभरा फैसला लिया है। इस फैसले के अन्तर्गत उन्होंने जाति-आधारित रैलियों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और पुलिस रिकॉर्ड में जाति संबंधी उल्लेखों पर रोक लगा दी है। यह निर्णय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद लिया गया, लेकिन इसका वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं बल्कि समाज को जातिगत बंधनों से मुक्त करने की दिशा में क्रांतिकारी प्रयास है। राजनीतिक दलों ने जाति आधारित वोटों को लुभाने एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिये समाज को बांटा है। यह गौर करने की बात है कि जाति आधारित संगठनों और रैलियों की बाढ़ आ गई है, जिससे एक-एक जाति के अनेक संगठन बने और इन जातिगत संगठनों ने सड़कों पर उतर कर न केवल सार्वजनिक व्यवस्था, इंसान-इंसान के बीच दूरियां-विद्वेष बढ़ा दिया बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी क्षत-विक्षत कर दिया।

भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था- जातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी जातिवाद ने राजनीति और समाज दोनों में गहरी पैठ बनाई और देश की एकता को कमजोर करने का काम किया। जाति-आधारित राजनीति ने सत्ता के समीकरण तो बदले लेकिन समाज को बांटने का काम किया। चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन जातिगत समीकरणों के आधार पर होता रहा। समाज के बंटवारे का यह खेल लोकतंत्र के स्वस्थ आदर्शों के लिए चुनौती बना। जातिगत रैलियां और प्रदर्शन सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते रहे। पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख अपराधी को अपराधी नहीं बल्कि किसी जाति का प्रतिनिधि बना देता था, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। इन जटिल स्थितियों में योगी सरकार का यह निर्णय विषमताओं एवं विसंगतियों को समाप्त करने की दिशा में एक नया अध्याय है। यदि इसे सख्ती और ईमानदारी से लागू किया गया तो निश्चित ही समाज में सौहार्द, भाईचारा और समानता का वातावरण बनेगा। जाति-आधारित पहचान की जगह व्यक्ति की योग्यता, आचरण और योगदान को महत्व मिलेगा।

किसी जाति के प्रति लगाव दशार्ने के लिए किसी अन्य जाति को नीचा दिखाने की भी गलत परंपरा पड़ती दिख रही है। जाति आधारित पोस्टर या प्रतीक न केवल गलियों में, मकानों पर बल्कि अपने वाहनों पर भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में, परस्पर भेद, ऊंच-नीच की भावना बढ़ती जा रही है। ऐसे भेद को मिटाने की मांग उठती रही है। समाज के लिए चिंतित रहने वाले लोग यही चाहते हैं कि जातिगत झंडों और पोस्टरों पर एक हद तक लगाम लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा साहस राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब तक किसी भी राजनेता ने नहीं दिखाया, लेकिन योगी सरकार ने यह साहस दिखाया है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। योगी सरकार द्वारा जारी 10 सूत्रीय दिशा-निर्देश में यह बात विशेष रूप से गौर करने लायक है कि अब जाति के नाम, नारे या स्टिकर वाले वाहनों का केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत चालान किया जाएगा। यहां तक कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में भी जाति को दशार्ने से बचा जाएगा। अभी तक होता यह है कि अपराधी जाति के आधार पर अपनी पहचान बना लेते हैं और मजबूत हो जाते हैं।

यह बहुत अफसोस की बात है कि विशेष रूप से चुनाव के समय जाति आधारित बैनरों की बाढ़ आ जाती है। राजनीतिक दल एवं नेता जातिगत समीकरणों से समाज को बांटने में जुट जाते हैं। लेकिन अब यूपी सरकार की मंशा सराहनीय है और इन दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। वाकई समाज से अपराध को मिटाने के लिए अपराधी की जाति देखना गैर-वाजिब है। हां, यह सावधानीपूर्वक कुछ मामलों में जाति का उल्लेख करने की छूट दी गई है। जैसे, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामलों में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल होता रहेगा। वाकई, कुछ मामले ऐसे होते हैं, जहां जाति की चिंता या उल्लेख जरूरी हो जाता है।

यह भूलना नहीं चाहिए कि जाति आधारित भेदभाव अभी भी कई जगहों पर देखने को मिल जाता है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भेदभाव की शिकायतें अक्सर आती हैं, ऐसे में, प्रशासन को ज्यादा सजग रहना पड़ेगा। निर्देश जारी हो जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जातिगत भेदभाव के बिंदुओं को खोज-खोजकर मिटाने की ईमानदार पहल भी जरूरी है। सामाजिक चिंतक विनोबा भावे कहा करते थे जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी। वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं।

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक आदर्श समाज व्यवस्था निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने जातिवाद के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाई, अपने राजनीतिक जीवन के अनेक उदाहरणों से समाज को सक्रिय प्रशिक्षण भी दिया। वे समता के पोषक हैं, इसलिये उन्होंने पूरी शक्ति के साथ जाति के दंश, प्रथा एवं विसंगति पर प्रहार कर मानवीय एकता का स्वर प्रखर किया। उनके शासन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी, जिससे राज्य में अपराध और अराजकता पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए उन्होंने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू कीं। बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार, निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं। उनकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकासशील राज्यों में गिना जाने लगा है और जातिवाद, भ्रष्टाचार और असुरक्षा की छवि से बाहर निकलकर एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उनकी ताजा पहल समाज को बताती है कि नई पीढ़ी को जाति नहीं, योग्यता और नैतिकता के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। यह निर्णय राजनीतिक दलों के लिए भी चेतावनी है कि उन्हें जातिगत समीकरणों की राजनीति छोड़कर राष्ट्रहित और जनहित की राजनीति करनी होगी।

जाति, रंग, भाषा आदि के मद से सामाजिक एवं राजनीतिक विक्षोभ पैदा होता है, इसीलिये यह पाप की परम्परा को बढ़ाने वाला पाप है। इसके कारण राष्ट्रीयता को भूल कर जातिगत संकीर्णताओं को लोग आगे बढाते रहे हैं, एक जाति के लोग मजबूत होने के बाद वे अपनी जाति को लाभ पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। यह धारणा भी बढती रही है कि सबको अपनी जाति की चिंता करनी चाहिए। यह भ्रांति भी फैल रही है कि अपनी जाति के लोग या अधिकारी या नेता ही अपनी जाति के समुदाय या लोगों की मुसीबत में साथ खड़े होते हैं। ऐसी तमाम सामाजिक व प्रशासनिक खामियों एवं विडम्बनाओं से उबरने की जरूरत योगी सरकार ने महसूस की है। अन्यायी के खिलाफ बिना जाति देखे खड़ा होना चाहिए। संविधान की भी मंशा यही है कि हर नागरिक को अपने समाज की ताकत बनकर आगे बढ़ना चाहिए और ध्यान रहे, यह समाज मात्र एक जाति आधारित न रहे। हर जाति महत्वपूर्ण है और सबका विकास हो, पर जाति आधारित लगाव या राजनीति का दिखावा खत्म होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ सरकार का यह कदम भारतीय समाज को जातिवाद की जंजीरों से मुक्त कराने का बड़ा अवसर है। यह केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकता है। अब आवश्यकता है कि अन्य राज्य भी इसे अपनाएं और भारत को सच्चे अर्थों में समानता, न्याय और बंधुत्व की धरती बनाएं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विदेशी निर्भरता घटाइए, राष्ट्रीय सफलता बढ़ेगी

विदेशी निर्भरता से विकास भी बाधित होता है। आत्मनिर्भरता की कमी के कारण देश अपने संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं कर पाता और उद्योग, तकनीक, और नौकरियों का विकास रुक जाता है। इससे राष्ट्रीय विकास की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा, विदेशी निर्भरता से रणनीतिक खतरा भी बढ़ता है। सुरक्षा और महत्वपूर्ण संसाधनों में विदेशी निर्भरता से राष्ट्रीय सुरक्षा कमजोर होती है

-कमलेश पांडेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दिनों गुजरात के भावनगर में कहा है कि भारत का सबसे बड़ा दुश्मन अन्य देशों पर निर्भरता है और जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता होगी, उतनी ज्यादा राष्ट्रीय विफलता बढ़ेगी। उन्होंने यहां तक कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का भविष्य बाहरी ताकतों पर नहीं छोड़ा जा सकता और इसके लिए भारत को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। आत्मनिर्भरता देश के सभी समस्याओं का समाधान है और यही राष्ट्रीय सौभाग्य और विकास की कुंजी है।

इससे साफ है कि 2025 की अंतिम तिमाही से पहले चले अंतरराष्ट्रीय दांवपेचों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह कर दिया है कि जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता होगी, उतनी ज्यादा राष्ट्रीय विफलता होगी। ऐसा कहकर उन्होंने एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश की है। एक तरफ तो उन्होंने चीन से आयात पर और अमेरिका को निर्यात पर या ऐसे ही अन्य देशों पर निर्भरता समाप्त करने के लिए सोच और साधन दोनों बदलने का आह्वान किया है।

वहीं, दूसरी तरह विदेशी बहु समझी जाने वाली कांग्रेस नेत्री श्रीमती सोनिया गांधी और उनके पुत्र-पुत्रियों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के विदेशी तिकड़मों से भी सावधान रहने के इशारे किए हैं, क्योंकिः उनका मुस्लिम प्रेम, चीन, पाकिस्तान, अमेरिका प्रेम और राष्ट्रविरोधी ताकतों को सियासी संरक्षण देश के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है। चूंकि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और सोनिया गांधी-प्रियंका गांधी क्रमशः राज्यसभा व लोकसभा के सांसद हैं। इसलिए इनकी हर कोशिशों पर देश-दुनिया की नजर रहती है। प्रधानमंत्री मोदी की मानें तो किसी भी मामले में विदेशी निर्भरता से राष्ट्रीय स्वाभिमान को नुकसान पहुंचता है। जब देश अपनी जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर होता है, तो उसका स्वाभिमान कमजोर पड़ता है। देश का विकास और फैसले बाहरी ताकतों के प्रभाव में आ जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ हो सकते हैं। वहीं विदेशी निर्भरता से आर्थिक नुकसान और अस्थिरता पैदा होती है। विदेशी निर्भरता से देश की आर्थिक सुरक्षा कमजोर होती है। वैश्विक बाजारों या विदेशी साधनों पर निर्भरता से आर्थिक संकट आने पर देश प्रभावित होता है, जिससे विकास रुक सकता है।

विदेशी निर्भरता से विकास भी बाधित होता है। आत्मनिर्भरता की कमी के कारण देश अपने संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं कर पाता और उद्योग, तकनीक, और नौकरियों का विकास रुक जाता है। इससे राष्ट्रीय विकास की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा, विदेशी निर्भरता से रणनीतिक खतरा भी बढ़ता है। सुरक्षा और महत्वपूर्ण संसाधनों में विदेशी निर्भरता से राष्ट्रीय सुरक्षा कमजोर होती है। आपातकाल में या भू-राजनीतिक तनाव में यह बड़ी समस्या बन सकती है। यही वजह है कि भारत अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए कई तरीकों और नीतियों पर काम कर रहा है। एक ओर भारत स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा दे रहा है, जिसके तहत घरेलू उत्पादन पर जोर देने से जहां आयात कम होगा, वहीं देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इसके लिए 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना जरूरी है। वहीं, दूसरी ओर भारत स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। इसके तहत नई तकनीकों और नवाचार को अपनाकर भारत को तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की मुहिम तेज की जा रही है, जिससे रोजगार निर्माण और आर्थिक विकास भी होगा। वहीं, सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी को भी मजबूत करने पर फोकस कर रही है। इससे अनुसंधान-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश से भारत अपनी तकनीकी निर्भरता घटा रहा है। वहीं कौशल विकास के द्वारा युवाओं को कौशल शिक्षा देकर उन्हें रोजगार के साथ-साथ उद्यमिता के लिए तैयार करने की कोशिशें जारी हैं। वहीं, कृषि और ग्रामोद्योगों का सशक्तिकरण किया जा रहा है। इससे किसानों की आय बढ़ाने, उर्वरकों और कृषि उपकरणों का स्थानीय उत्पादन बढ़ाने की पहल जारी है।

इसके अलावा डिजिटल स्वाधीनता के तहत स्वदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्म और तकनीकों के विकास एवं उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, ऊर्जा स्वतंत्रता के तहत नवीनीकरणीय ऊर्जा, जैसे- सौर, पवन, और हाइड्रोजन ऊर्जा पर निवेश कर ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करने की मुहिम जारी है। वहीं, सरकारी योजनाओं के तहत पीएम स्वनिधि योजना, जैसे- छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस अभियान को 2020 में शुरू किया था और इसे 2047 तक एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लक्ष्य से जोड़ा गया है। इसके तहत रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, और कृषि जैसे सभी प्रमुख क्षेत्र आत्मनिर्भरता के लिए काम कर रहे हैं। इस प्रकार भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए व्यापक आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक और नीति स्तर पर काम करना होगा जो देश की समग्र ताकत और स्थिरता को बढ़ाएगा।

जहां तक विदेशी निर्भरता कम करने के मुख्य उपाय की बात है तो रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की कोशिशें तेज हैं। इसके तहत रक्षा उपकरणों, हथियारों और तकनीकी संसाधनों का अधिक से अधिक स्थानीय उत्पादन करने की पहल तेज है। भारत ने रक्षा क्षेत्र में 5वीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की है, जिसमें 3,000 से अधिक वस्तुओं का घरेलू उत्पादन सुनिश्चित किया गया है। इससे विदेशों से रक्षा उपकरणों की निर्भरता कम होती है और राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है।

वहीं, स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके दृष्टिगत 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत घरेलू उद्योगों और एमएसएमइज (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) को समर्थन देने को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि आयात की जगह घरेलू उत्पादन बढ़े। वहीं, नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके मद्देनजर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), निजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और शिक्षाविदों के बीच सहयोग बढ़ाकर तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने की मुहिम तेज की गई है। वहीं, औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण करते हुए रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना, निवेश और प्रोत्साहन से स्वदेशी उत्पादन को तेजी देने की पहल परवान चढ़ाई जा चुकी है। वहीं, निर्यात और व्यापार सुधार के तहत बंदरगाहों और व्यापार प्रक्रियाओं को सरल और सक्षम बनाने की मुहिम तेज है, ताकि विदेशी निर्भरता कम होकर स्वदेशी व्यापार बढ़े। वहीं, विदेशी निर्भरता घटाने के लिए ऊर्जा, कृषि, और डिजिटल क्षेत्र में स्थानीय समाधानों को अपनाने और विकसित करने पर बल दिया जा रहा है। इसके लिए उन सरकारी नीतियों और योजनाओं को लागू किया जा रहा है जो विदेशी वस्तुओं के आयात पर नियंत्रण और स्वदेशी वस्तुओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस बात पर जोर दिया है कि चिप्स (सेमीकंडक्टर चिप्स) व जहाज जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र भारत में ही विकसित करने होंगे ताकि विदेशी निर्भरता समाप्त हो। आत्मनिर्भरता ही देश के विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूत नींव है। इस प्रकार, स्वदेशीकरण, स्थानीय उत्पादन, अनुसंधान विकास, और नीति स्तर पर सुधार करके भारत अपनी विदेशी निर्भरता कम कर सकता है। यही वजह है कि भारत में स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करने के कई प्रभावी उपाय हैं जो सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक स्तर पर अपनाए जा सकते हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

नेपाल की अंतरिम सरकार में चार नए मंत्री, मिनिस्टर्स की संख्या बढ़कर हुई आठ

(एजेन्सी)।

नेपाल के चार नवनियुक्त मंत्रियों ने राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास में आयोजित एक समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ ली। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने पूर्व जज अनिल कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय आविष्कार केंद्र के संस्थापक महावीर पुन, पत्रकार जगदीश खरेल और विशेषज्ञ मदन परियार को शपथ दिलाई। चार नए मंत्रियों के शामिल होने के साथ पीएम सुशीला कार्की नीत मंत्रिपरिषद में सदस्यों की संख्या आठ हो गई है। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कई महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे है। प्रधानमंत्री ने कई महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हैं। सिन्हा उद्योग, वाणिज्य और आपूर्ति मंत्री हैं, जबकि खरेल संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं। परियार कृषि एवं पशुधन विकास मंत्री हैं, जबकि पुन शिक्षा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हैं। नेपाल के संविधान के अनुसार, मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित अधिकतम 25 सदस्य हो सकते हैं। हालांकि, कार्की ने हाल में सुझाव दिया था कि उनके अंतरिम मंत्रिमंडल में केवल 11 सदस्य हो सकते हैं। हालांकि, संगीता कौशल मिश्रा को बाद में उनकी विवादास्पद पृष्ठभूमि के कारण सूची से हटा दिया गया। सूत्रों के अनुसार भ्रष्टाचार विरोधी संस्था अख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोग, नेपाल (सीआईएए) मिश्रा से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले की जांच कर रही है। कार्की के 12 सितंबर को नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के साथ देश में जारी राजनीतिक अनिश्चितता का दौर खत्म हो गया। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के मुद्दे को लेकर युवाओं के नेतृत्व में अपनी सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री केपी. शर्मा ओली को पद से हटना पड़ा था जिससे राजनीतिक संकट पैदा हो गया था। कार्यभार संभालने के तुरंत बाद कार्की ने कुलमा घीसिंग को ऊर्जा, जल संसाधन और भौतिक नियोजन मंत्री, रामेश्वर खनल को वित्त मंत्री और ओम प्रकाश आर्यल को गृह मंत्री नियुक्त किया था। अंतरिम सरकार अगले साल पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव तक कार्य करेगी।

दशहरे से पहले दीवाली मना रहा है देश!

(एजेन्सी)।

देश की अर्थव्यवस्था से जुड़े हालिया घटनाक्रमों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि समय पर लिए गए साहसिक निर्णय कितनी तेजी से वास्तविक बदलाव ला सकते हैं। हम आपको बता दें कि सोमवार से लागू हुई जीएसटी दरों में कटौती ने भारतीय उपभोक्ताओं के उत्साह और खरीदारी की प्रवृत्ति में अभूतपूर्व उछाल ला दिया है। यही नहीं, इस कदम ने वाहन और घरेलू उपकरणों जैसे प्रमुख खपत क्षेत्रों में बिक्री के नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं, जिससे स्पष्ट हो गया है कि आर्थिक नीतियों का सही समय पर क्रियान्वयन बाजार को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर सकता है। देशभर के बाजारों से जो रिपोर्टें मिल रही हैं वह दर्शा रही हैं कि देश दशहरे से पहले ही दीपावली मना रहा है। हम आपको बता दें कि कार उद्योग में स्थिति बेहद रोमांचक रही। छोटी कारों पर जीएसटी दर को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया, जिससे वाहन की कीमत में 40,000 से 1.2 लाख रुपये तक की गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप मारुति सुजुकी ने एक दिन में 30,000 वाहनों की बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया, जबकि हुंदै मोटर इंडिया ने पिछले पांच वर्षों का सर्वश्रेष्ठ बिक्री आंकड़ा दर्ज किया। ग्राहक इतनी उत्सुकता से शोरूम में पहुंचे कि कुछ मॉडल का स्टॉक पहले ही खत्म होने का अंदेशा जताया जा रहा है। वाहन उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल त्योहारी उत्साह का परिणाम नहीं है, बल्कि लंबी अवधि में भारतीय वाहन उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत है।

हम आपको बता दें कि सिर्फ वाहन ही नहीं, बल्कि घरेलू उपकरणों की बिक्री में भी जीएसटी दर कटौती का जादू दिखा। एयर कंडीशनर और टीवी की बिक्री पहले ही दिन दोगुनी हो गई। उपभोक्ता अब उच्च तकनीक वाले उत्पादों को सुलभ कीमतों पर खरीदने के लिए प्रेरित हैं। सुपर प्लास्ट्रोनिक्स और अन्य प्रमुख घरेलू उपकरण निमार्ताओं ने 30-35 प्रतिशत तक बिक्री वृद्धि दर्ज की है।

ओस्मान डेम्बेले सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर और ऐताना बोनमती ने लगातार तीसरी बार रचा इतिहास

(एजेन्सी)।

फुटबॉल की दुनिया में अपने धमाकेदार खेल से सबका दिल जीतने वाले बेस्ट पुरुष और महिला खिलाड़ी के नाम की घोषणा हो गई है। दरअसल, ओस्मा डेम्बेले और ऐताना बोनमती को पेरिस में आयोजित 2025 बैलन डी'ओर समारोह में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी का खिताब मिला। फ्रांस के फॉरवर्ड और पेरिस सेंट-जर्मेन के डेम्बेल ने अपने क्लब को ट्रेबल जीतने और पहली बार चैंपियंस लीग जीताने के बाद पुरुषों का पुरस्कार जीता। बार्सिलोना के 18 साल के लामिन यामल को सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी चुना गया और वह दूसरे स्थान पर रहे। डेम्बेले ने पेरिस में एक भावुक भीड़ के सामने इस फुटबॉल के सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड को हासिल किया। अगर चोट नहीं लगी होती तो वह मार्सिले में पीएसजी के लिए लीग मैच में खेल रहे होते। बार्सिलोना और स्पेन की मिडफील्डर बोनमती लगातार तीन साल तक बैलन डी'ओर जीतने वाली पहली महिला बन गई हैं। लियोनेल मेसी और मिशेल प्लाटिनी ही ऐसे पुरुष खिलाड़ी हैं जिन्होंने ये उपलब्धि हासिल की है। इस दौरान बोनमती ने कहा कि, ये अहसास अविश्वसनीय है। जब मैं बच्ची थी, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ये हासिल कर सकती हूं क्योंकि मुझे नहीं लगता था कि महिला फुटबॉल का अस्तित्व हो सकता है। मेरे आदर्श एंड्रेस इनिएस्ता और जावी थे और जब मैं बच्ची थी तो मैंने उन्हें केवल टीवी पर देखा था। यहां होना और इतिहास बनाना अविश्वसनीय है। ये सभी ट्रॉफियां सामूहिक कार्य के कारण हैं। हमारे लिए ये कठिन सीजन था क्योंकि हमने कुछ ट्रॉफियां जीतीं। लेकिन हमने कुछ अद्भुत फुटबॉलरों से भी हारीं।

सिनेमाई प्रतिभा का उत्सव बना 71वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली का विज्ञान भवन भारतीय सिनेमा के उन अद्भुत कलाकारों और फिल्म निमार्ताओं की उपस्थिति का गवाह बना जिन्होंने अपनी कला से देश-दुनिया में भारतीय कहानियों को जीवंत किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का वितरण न केवल एक औपचारिक समारोह था, बल्कि यह भारतीय फिल्म जगत की विविधता, प्रतिभा और उत्साह का जीवंत प्रदर्शन भी था। मंच पर जब मलयालम के सुपरस्टार मोहनलाल दिखाई दिए, तो पूरे हॉल में तालियों और जयकारों की गड़गड़ाहट गूँज उठी। दादासाहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित उनका क्षण केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि दक्षिण भारतीय सिनेमा के गौरव का प्रतीक भी था। इसके ठीक बाद जब शाहरुख खान मंच पर खंद्दल्ल के लिए बेस्ट अभिनेता का पुरस्कार लेने आए, तो दर्शक झूम उठे। “Shah Rukh! Shah Rukh! सैकड़ों आवाजों का यह संगम समारोह के उत्साह को और बढ़ा रहा था।

रानी मुखर्जी, विक्रांत मैसी, सुदीप्त सेन, करण जौहर जैसे अन्य विजेताओं के स्वागत में भी दर्शकों का उत्साह कम नहीं था। केवल बॉलीवुड ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय फिल्में—भव्य तेलुगू, संवेदनशील तमिल, नवोन्मेषी कन्नड़ और गुजराती सिनेमा—भी आज मंच पर सम्मानित हुए। यह स्पष्ट संकेत है कि भारतीय सिनेमा अब भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे जाकर अपनी ताकत दिखा रहा है।

तकनीकी श्रेणियों में भी इस वर्ष का उत्साह उल्लेखनीय रहा। फिल्म “Animal” ने ध्वनि डिजाइन में श्रेष्ठता और री-रिकॉर्डिंग में विशेष उल्लेख प्राप्त किया। संगीत में शिल्पा राव और तेलुगू फिल्म Baby के गायक को सर्वोच्च पुरस्कार मिले। यह दिखाता है कि भारतीय फिल्म उद्योग में केवल अभिनेता ही नहीं, बल्कि तकनीकी और संगीत की टीम भी बराबर की प्रतिभा प्रस्तुत कर रही है।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का यह उत्सव केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं रहा। यह भारतीय सिनेमा के प्रति आम जनता, कलाकार और सरकार की प्रतिबद्धता का भी जश्न था। मंच पर विजेताओं की मुस्कान, दर्शकों की तालियाँ और पूरे हॉल में उत्साह का वातावरण इस बात का प्रतीक है कि भारतीय फिल्म उद्योग अब न केवल ग्लैमर का केन्द्र है, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी दृष्टि से भी नई ऊँचाइयों को छू रहा है।

अंततः, यह समारोह याद दिलाता है कि भारतीय सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि संस्कृति, कला और सामाजिक संदेश का महत्वपूर्ण माध्यम है। और आज, विज्ञान भवन में हमने इसे पूरे उत्साह और गर्व के साथ महसूस किया।

भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश को बड़ा झटका, कप्तान लिटन दास हुए चोटिल

(एजेन्सी)। 24 सितंबर, बुधवार को भारत और बांग्लादेश के बीच एशिया कप 2025 सुपर 4 मुकाबला खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले बांग्लादेश टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम के कप्तान लिटन दास चोटिल हो गए हैं जिस कारण वह नेट प्रैक्टिस नहीं कर पाए। आईसीसी एकेडमी ग्राउंड में ट्रेनिंग के दौरान उनकी पीठ में खिंचाब आ गया। नेट्स में स्क्वायर कट लगाने की कोशिश करते हुए लिटन को कमर के बाईं ओर तकलीफ महसूस हुई। जिसके बाद फिजियो बायजित उल इस्लाम ने जांच की। उसके बाद लिटन दास नेट प्रैक्टिस से हट गए। क्रिकबज ने मंगलवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक पदाधिकारी के हवाले से लिखा कि, हम आज लिटन दास की जांच करेंगे क्योंकि बाहर से वह बिल्कुल ठीक लग रहे हैं लेकिन अंतिम फैसला लेने से पहले हमें उनका मेडिकल परीक्षण करवाना होगा। पता चला कि स घटना के बाद लिटन दास को ज्यादा तकलीफ नहीं महसूस हुई, लेकिन उनकी अनुपलब्धता बांग्लादेश के लिए एक बड़ा झटका साबित होगी। अगर लिटन दास भारत के खिलाफ सुपर 4 मुकाबले से बाहर हो जाते हैं तो टीम का नेतृत्व में एक बड़ा शून्य पैदा हो जाएगा। अभी ये स्पष्ट नहीं है कि उनकी अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी कौन करेगा? क्योंकि बीसीबी ने टूनार्मेंट के लिए किसी उपकप्तान की घोषणा नहीं की है। बांग्लादेश ने अपने सुपर 4 अभिया की शुरूआत श्रीलंका पर बेहतरीन जीत के साथ की।

भारत सरकार द्वारा 'छठ' को यूनेस्को में शामिल कराने के लिए बनी विशेषज्ञ समिति में मनोज भावुक शामिल

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। सूर्य से दुनिया है और दुनिया का सबसे अनोखा पर्व है छठ। भारत सरकार 'छठ महापर्व' को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त विरासत सूची में शामिल कराने का प्रयास कर रही है। संस्कृति मंत्रालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से संगीत नाटक अकादमी आधिकारिक डोज़ियर तैयार कर रही है। संगीत नाटक अकादमी ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भोजपुरी साहित्यकार मनोज भावुक को भी शामिल किया गया है।

मनोज भावुक ने बताया कि चूकि छठ अब एक वैश्विक पर्व बन गया है, छठ के समय पूरी दुनिया में एक बिहार नजर आता है, इसलिए दुनिया भर के बिहारियों (पूर्वांचलियों) ने इस दिशा में प्रयास करना शुरू कर दिया है। भारत की पहले से ही 15 सांस्कृतिक धरोहरें यूनेस्को की सूची में शामिल हैं, जिनमें वैदिक चैंटिंग, कुटियट्टम, रामलीला, छाऊ नृत्य, योग, कुंभ मेला और कोलकाता की दुर्गा पूजा शामिल हैं।

भारत सरकार के छठ से जुड़ी इस समिति का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर करते हुए मनोज भावुक ने कहा कि हम छठ पूजा देखते और छठ गीत सुनते बड़े हुए हैं। हमारे दुख के उबार के लिए माई ने छठी मइया से कई बार भारा भी भाखा है (मन्नत माँगा है)। बाद में विदेशों में भी छठ पूजा में शामिल होने का सौभाग्य मिला है।

अफ्रीका में भोजपुरी असोसिएशन ऑफ युगांडा (2005) की स्थापना कर विक्टोरिया लेक के किनारे छठ पूजा की शुरूआत कराई हमने और लंदन में भोजपुरी समाज (2006) की स्थापना कर। बाद में टीवी चैनल्स से जुड़ने पर छठ पर केंद्रित अनेक शोज किये। बतौर सारेगामापा प्रोजेक्ट हेड और राइटर छठ पर स्पेशल शोज लिखा और बनाया। बतौर संपादक भोजपुरी जंक्शन छठ पर विशेषांक निकाला और अखबारों व पोर्टल्स में छठ केंद्रित अनेक फीचर व ब्लॉग्स लिखा। छठ पर मेरे लिखे गीतों को अनेक स्थापित गायकों ने गाया है तो भारत सरकार के इस छठ कमिटी का हिस्सा बनना मेरे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इस जिम्मेदारी के लिए भारत सरकार का शुक्रगुजार हूँ।

'दिव्यम अवाड्र्स' समारोह का शानदार आयोजन कराकर डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान ने रचा इतिहास, पूरे क्रिकेट जगत में दिव्यम की गूंज

'दिव्यम अवाड्र्स' के महाकुंभ में कई दिग्गजों का लगा जमावड़ा, आरसीए तदर्थ समिति के संयोजक डीडी कुमावत एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष नीरज के. पवन रहे मौजूद

जयपुर से स्थानीय संपादक राकेश कुमार गुप्ता की रिपोर्ट

जयपुर। बीसीसीआई के 'नमन अवाड्र्स' की तर्ज पर, भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने गुरुवार को यहाँ अपना पहला 'दिव्यम अवाड्र्स' समारोह आयोजित किया। जिसकी गूंज पूरे क्रिकेट जगत में हो रही है। दिव्यम पुरस्कार वितरण समारोह का शानदार आयोजन कराकर डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान ने इतिहास रच दिया है। दिव्यांग क्रिकेटरो में दिव्यम अवाड्र्स' एक नयी संजीविनी का कार्य कर रहा है। जिससे दिव्यांगों में एक नए उत्साह का संचार हुआ है। अभी तक इस तरह का आयोजन दिव्यांग क्रिकेट में नहीं देखा गया था।

राजस्थान दिव्यांग क्रिकेट संघ (आरडीसीए) ने डीसीसीआई के मार्गदर्शन में शारीरिक दिव्यांगता वार्षिक पुरस्कार 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह ऐतिहासिक अवसर दिव्यांग क्रिकेटरों, प्रशिक्षकों, प्रशासकों और समर्थकों के असाधारण योगदान और उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था।

मुंबई के रवींद्र पाटिल को आजीवन उपलब्धि पुरस्कार, जबकि विदर्भ के गुरुदास राउत को विशेष योगदान पुरस्कार मिला। नेतृत्व और प्रेरणा पुरस्कार जयपुरिया क्रिकेट अकादमी को मिला, जिसे भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रोहित झालानी ने ग्रहण किया।

विशेष मान्यता (प्रायोजन, अवसंरचना और जागरूकता) पुरस्कार नोएडा के राजेश भारद्वाज को प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद एवं युवा मामले विभाग के अध्यक्ष नीरज के. पवन थे। आरसीए तदर्थ समिति के संयोजक डीडी कुमावत और डीसीसीआई सचिव रविकांत चौहान मुख्य अतिथि थे।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में विवेक गुप्ता, राजेश तांबी, आरडीसीए अध्यक्ष ज्योत्सना चौधरी, आरडीसीए के मुख्य संरक्षक अनिल मित्तल, आरडीसीए सचिव कृष्ण कुमार गुप्ता और आरडीसीए कोषाध्यक्ष गौरव झालानी शामिल थे। नीरज के. पवन और डीडी कुमावत ने घोषणा की कि भारत-इंग्लैंड शारीरिक दिव्यांग क्रिकेट श्रृंखला जयपुर में आयोजित की जाएगी। उन्होंने दिव्यांग क्रिकेट के विकास और मान्यता के लिए अपने पूर्ण समर्थन का भी आश्वासन दिया। रविकांत चौहान ने घोषणा की कि दिव्यांग क्रिकेट के लिए एक मजबूत और व्यवस्थित संरचना बहुत जल्द लागू की जाएगी। उन्होंने आगे घोषणा की कि दिव्यांग क्रिकेटरों के लिए वेतन जल्द ही शुरू किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों के लिए वित्तीय स्थिरता और पेशेवर मान्यता सुनिश्चित होगी। यह आयोजन भारतीय खेलों में दिव्यांग क्रिकेट की बढ़ती मान्यता का प्रतीक है और इसका उद्देश्य भावी पीढ़ियों के लिए इसकी नींव को मजबूत करना है।

दिव्यम क्रिकेट पुरस्कार-डीसीसीआई शारीरिक विकलांगता वार्षिक पुरस्कार 2025 के विजेता

प्लेयर्स अवॉर्ड्स:

1 रविन्द्र पाटिल (मुंबई)-आजीवन उपलब्धि पुरस्कार
2 गुरुदास राऊत (विदर्भ)-विशेष योगदान पुरस्कार
3 विक्रांत केनी (मुंबई)-प्लेयर्स चॉइस (लोकप्रिय खिलाड़ी)
4 राजेश कन्नूर (कर्नाटक)-DCCI प्लेयर ऑफ द ईयर
5 शिवशंकर (कर्नाटक)-आइकॉनिक प्लेयर अवॉर्ड
6 सुरेन्द्र खोरवाल (राजस्थान)-बेस्ट अमेजिंग प्लेयर
7 आदिल नांसोला (गुजरात)-राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर
8 अनवर अली (उत्तर प्रदेश)-सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ी
9 चंद्रभान गिरी (हैदराबाद)-सर्वश्रेष्ठ कोच

विशेष सम्मान पुरस्कार

श्री नितेन्द्र सिंह (बड़ौदा)-आजीवन योगदान पुरस्कार (डिसएबिलिटी क्रिकेट एवं समावेशन)
डिसएबिलिटी क्रिकेट डेवलपमेंट अवॉर्ड: आदिश्वर जैन (मुंबई), दिपेन गांधी (गुजरात), गिरीश शेवटे (महाराष्ट्र), उत्पल मजूमदार (प. बंगाल)
लीडरशिप एवं मोटिवेशन अवॉर्ड-जयपुरिया क्रिकेट अकादमी (रोहित झलानी, राजस्थान)
ग्रासरूट्स डिसएबिलिटी क्रिकेट डेवलपमेंट अवॉर्ड-विदर्भ डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन
विशेष मान्यता पुरस्कार (स्पॉन्सरशिप, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सहयोग जागरूकता)-राजेश भारद्वाज (नोएडा)
सर्वश्रेष्ठ जोनल कोऑर्डिनेटर-मधुसूदन नाइक (साउथ जोन)
पावर प्ले सपोर्ट अवॉर्ड-संजय सिंह तोमर (मध्य प्रदेश)
सर्वश्रेष्ठ प्रशासक पुरस्कार-धीरज हर्डे (विदर्भ)
राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ टीम-जम्मू एवं कश्मीर
साल की सर्वश्रेष्ठ एसोसिएशन-छत्तीसगढ़ डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन

इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आए कई प्रतिनिधि ने शिरकत किया ,जिसमे मुख्या रूप से दिपेन गांधी (गुजरात), गिरीश शेवते (महाराष्ट्र), संजय भोसकर (विदर्भ), डॉक्टर राघवी (तमिळनाडु), श्रीधर (कर्नाटका), सूर्यनारायणा (आंध्र प्रदेश), अरुण (केरला), गोविंदु (पांडिचेरी) चंद्रभान गिरी (हैदराबाद), राजेंद्र सिंह चौहान (बरोडा), देवराम (सौराष्ट), गुरमीत धीमन (हिमाचल प्रदेश),भीम सिंह (हरियाणा) अरुण अरोडा (पंजाब), लखविंदर सिंह (चंडीगढ़), राहुल सिंह (उत्तर प्रदेश), नवीन चव्हाण (उत्तराखंड), अभिषेक सिंह (छत्तीसगड) संजय तोमर (मध्य प्रदेश), कल्पेश गायकर (मुंबई), राखेल (ओडिसा), इकबाल खान (राजस्थान), आफताब आलम (झारखंड), राकेश कुमार गुप्ता (बिहार) इत्यादि 'दिव्यम अवाड्र्स में शामिल हुए।

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा की सफाई कर श्रद्धांजलि अर्पित की

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत भाजपा अर्बन मंडल अध्यक्ष गौरव खुराना ने मंडल पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा की सफाई कर उन्हें माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने उनकी जीवनी के महत्वपूर्ण प्रसंग बताते हुए कहा कि अटल जी ने हमेशा राष्ट्रहित और देश के उत्थान के लिए कार्य किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्बन मंडल प्रभारी मदन गुज्जर उपस्थित रहे। उन्होंने भी अटल बिहारी वाजपेयी को पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर शाम लाल कंबोज, राम कुमार शर्मा सहित कई नेताओं ने अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विचार रखे। बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हें नमन किया।

अपने संबोधन में गौरव खुराना ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी देश के एकमात्र ऐसे नेता थे जिन्होंने चार राज्यों की छह लोकसभा सीटों का प्रतिनिधित्व किया। इनमें उत्तर प्रदेश के लखनऊ व बलरामपुर, गुजरात का गांधीनगर, मध्यप्रदेश का ग्वालियर व विदिशा और दिल्ली की नई दिल्ली सीट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अटल जी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को हुआ था। उनके पिता पंडित कृष्ण बिहारी वाजपेयी अध्यापक थे और माता कृष्णादेवी गृहिणी थीं। अटल जी सात भाई-बहनों में सबसे छोटे पुत्र थे। इस मौके पर वृषा कांबोज, संजीव बजाज, राजेश गोयल, अलका चौधरी, सुनील गोयल, श्वेता मेहता, श्याम लाल कांबोज, रवि शर्मा, शिवम, रामदिया कश्यप, गौरव हंदुजा, जोगिद्र, रामकुमार शर्मा, सचिन ढल, ओएन मलिक, मुक्ता कालरा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नमामि गंगे: प्रदेश सचिव का दायित्व मिलने से हर्ष

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। नवरात्रि के शुभ अवसर और माता शैलपुत्री के अवतरण दिवस पर,जीवन धारा नमामि गंगे संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरि ओम शर्मा ने 22 सितंबर को बिहार और उत्तर प्रदेश में कई महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की घोषणा की है। इस नई नियुक्ति के तहत, बिहार के पूर्वी चंपारण से डॉ। अनीता देवी को प्रदेश उपाध्यक्ष, जी.एन. भट्ट को प्रदेश सचिव, छपरा से अरुण कुमार गिरी को जिला अध्यक्ष और वैशाली से रामू कुमार सैनी को जिला महासचिव का पद सौंपा गया है। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश से हिमांशु कुमार शाही को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। संस्था के नवनियुक्त बिहार प्रदेश सचिव, जी.एन. भट्ट ने कहा कि इन नियुक्तियों का मुख्य उद्देश्य जीवनधारा नमामि गंगे के मूल उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाना है, जिसमें जल और पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्य राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ। हरि ओम शर्मा के नेतृत्व और राज्याध्यक्ष डॉ. उषाकिरण श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया जाएगा। श्री भट्ट ने आशा व्यक्त की है कि नए पदाधिकारियों का अनुभव, ऊर्जा और प्रतिबद्धता संस्था की सामाजिक, पर्यावरणीय और गंगा संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को और भी अधिक प्रभावशाली बनाएगी।

इस अवसर पर, बिहार प्रदेशाध्यक्ष डॉ. उषा किरण श्रीवास्तव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. दिव्या स्मृति(सह सहायक निदेशक, अर्थ गंगा, सह राज्य समन्वयक, दिल्ली), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. शीला वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष संगीता सागर और प्रबंध संपादक निर्माण भारती ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार' अभियान- राजस्थान रच रहा कीर्तिमान

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देशभर में चलाए जा रहे स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार अभियान से लाखों लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। राजस्थान में भी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन एवं चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान प्रतिबद्धता के साथ संचालित कर आमजन को लाभान्वित किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से प्रदेश में अब तक 37 लाख से अधिक लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया जा चुका है।

चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा है कि आमजन को अपने नजदीकी स्थान पर सुगमतापूर्वक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने एवं विभिन्न रोगों की स्क्रीनिंग कर उपचार एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया गया है। इसके तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष रूप से फोकस किया गया है, ताकि हमारी माताएं–बहनें स्वस्थ रहें और आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ एवं सुरक्षित हो। राजस्थान इस अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती राठौड़ ने बताया कि अभियान के तहत राजस्थान बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रदेश में 17 सितम्बर से 22 सितम्बर तक 1 लाख 8 हजार 534 स्क्रीनिंग और विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इनमें 6 हजार 952 विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं वाले स्वास्थ्य शिविर भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविरों में कुल 37 लाख 54 हजार 295 महिला व पुरुषों ने विभिन्न प्रकार की निःशुल्क स्वास्थ्य एवं परामर्श सेवाओं का लाभ लिया है। इनमें 19 लाख 80 हजार 156 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक आयोजित किए गए कुल 618 रक्तदान शिविरों में 38 हजार 901 यूनिट ब्लड एकत्रित किया जा चुका है।

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि 17 सितम्बर से 22 सितम्बर तक 2 लाख 36 हजार 461 गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही 13 लाख 80 हजार 939 महिला व पुरूषों की एनीमिया की स्क्रीनिंग की गयी है। इसी प्रकार 4 लाख 33 हजार 780 आवश्यक टीकों की निर्धारित डोज बच्चों को लगाई गई हैं।

कृषि भूमि पट्टे से मिली राहत-अनिता शर्मा और उनके परिवार ने जताया राज्य सरकार का आभार

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा में मंगलवार को आयोजित शहरी सेवा शिविर 2025 ने आमजन के जीवन में उम्मीद की नई किरणें जगाईं। राजस्व राज्यमंत्री श्री विजय सिंह और विधानसभा क्षेत्र विराटनगर के विधायक श्री कुलदीप धनखड़ ने शिविर का निरीक्षण किया। इसी दौरान अनिता शर्मा, पत्नी रघु मिश्रा, जिनके परिवार ने वर्ष 2023 में कृषि भूमि नियमन के पट्टे के लिए आवेदन किया था, को मौके पर ही उनका पट्टा प्रदान किया गया। लगभग दो वर्षों से लंबित यह मामला उनके परिवार की चिंता का विषय बना हुआ था, क्योंकि बिना पट्टे उनके जमीन पर अधिकार सुनिश्चित नहीं हो पा रहा था। मौके पर उपखण्ड अधिकारी कपिल कुमार, तहसीलदार लोकेन्द्र मीणा, नगरपालिका अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। पट्टा मिलने पर अनिता शर्मा और पट्टा लेने आए उनके पति की आंखों में खुशी और चेहरे पर राहत झलक रही थी। उन्होंने राज्य सरकार के प्रति गहराई से आभार व्यक्त किया।

शहरी सेवा शिविर ने कई परिवारों के जीवन में नई उम्मीदें जगाईं। ऐसा ही उदाहरण शारदा देवी का है, जो पावटा की निवासी विधवा महिला हैं। मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय में आयोजित शिविर में उन्होंने बताया कि पति की मृत्यु के बाद बच्चों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। आर्थिक कठिनाइयाँ और पालन-पोषण की चिंता उनके जीवन को भारी कर रही थी। पहले उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि राज्य सरकार की योजनाओं से उन्हें सीधे अपने घर पर ही मदद मिलेगी। शिविर में राज्य मंत्री श्री विजय सिंह ने मौके पर ही उनके दोनों बच्चों के पालन-पोषण की स्वीकृति जारी की। शारदा देवी ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि योजनाओं का लाभ पाना कठिन है, लेकिन आज राज्य सरकार और प्रशासन ने उनके जीवन में राहत ला दी।

मध्यप्रदेश ने ई-रिवर्स ऑक्शन प्रक्रिया से प्राप्त की देश में बिजली की न्यूनतम प्रति यूनिट दर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भारत सरकार द्वारा संपदा 2 के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार 2025 से सम्मानित करने पर उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी अभिवादन किया। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सहित सभी मंत्रीगण ने बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक में पहले अपने संबोधन में कहा कि संपदा-2 से पेपरलेस-फेसलेस रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी बना है। मध्यप्रदेश, ई-पंजीयन व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। यह प्रणाली नागरिकों को बिना कार्यालय आए, सुरक्षित और सरल पंजीयन की सुविधा देती है। मध्यप्रदेश ने डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत अस्पतालों में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा जिलों के सभी अस्पतालों में साफ-सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा पखवाड़ा में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है।

मंत्रि-परिषद ने सार्वजनिक निजी भागीदारी से हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की दी स्वीकृति

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से राज्य के भीतर हैलीकॉप्टर सेवा संचालन की स्वीकृति प्रदान गई है। संपूर्ण प्रदेश के हवाई अड्डों, हैलीपेड एवं हवाई पट्टियों के बीच निजी ऑपरेटर द्वारा चयनित स्थानों पर हैलीकॉप्टर सेवा प्रदाय की जायेगी।

हैलीकॉप्टर का संचालन तीन सेक्टरों में किया जाएगा। सेक्टर-1 में इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर, गांधीसागर, मंदसौर, नीमच, हनुवंतिया, खंडवा, खरगौन, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, झाबुआ, नलखेड़ा, भोपाल और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-2 में भोपाल, मढ़ई, पचमढ़ी, तामिया, छिंदवाड़ा, सांची, इंदौर, दतिया, दमोह, ग्वालियर, शिवपुरी, कूनो (श्योपुर), ओरछा, गुना, राजगढ़, सागर, होशंगाबाद, बैतूल, टीकमगढ़ और जबलपुर शामिल होंगे। सेक्टर-3 में जबलपुर, बांधवगढ़, कान्हा, चित्रकूट, सरसी, परसिली, मैहर, सतना, पन्ना, खजुराहो, कटनी, रीवा, सिंगरौली, अमरकंटक, सिवनी, सीधी, मंडला, पेंच, डिंडौरी, भोपाल और इंदौर के बीच हेलीकाप्टर सेवा का संचालन किया जायेगा।

इस सेवा का उद्देश्य प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानो और पर्यटक स्थलों के मध्य निजी ऑपरेटर के सहयोग से किफायती एवं स्थायी हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराना है। इस सेवा से यात्रियों, पर्यटकों, व्यवसाइयों, निवेशकों एवं प्रदेश के रहवासियों का प्रदेश में आवागमन सुगम हो सकेगा। इससे प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक शहरों एवं पर्यटक स्थलों के बीच व्यवसाय एवं पर्यटन गतिविधियों में अभिवृद्धि होगी और रोजगार के नये अवसरों का सृजन भी होगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की 660 मेगावाट की सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारणी की पुनरीक्षित लागत 11 हजार 678 करोड़ 74 लाख रुपये (नॉन एढउ सहित) का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मंसूरचक में 11 जगह चल रहा दुर्गा पूजा अनुष्ठान

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार व विधि विधान के साथ कलश की स्थापना के साथ ही शारदीय नवरात्र प्रारंभ हो गया। साठा, अहियापुर, फाटक चौक, समसा चौक सहित 11 जगहों पर माता के मंदिर में पूजा अनुष्ठान के साथ कलश की स्थापना की गई। इसके अलावे लोगों ने अपने अपने घरों में भी कलश की स्थापना कर पूजा अर्चना की। इस दौरान मंदिरों के उपर लगे लाउडस्पीकर से भक्ति गीत गूंज रहे थे जिससे पुरा इलाका भक्तिमय बना हुआ था। साठा गांव स्थित दुर्गा मंदिर के पुजारी हरिश्चंद्र झा उर्फ चूल्हो झा ने बताया कि शारदीय नवरात्र के पहले दिन माता के शैल पुत्री रूप की पूजा अर्चना की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर मुख्यमंत्री निवास में आरोग्य के देवता भगवान धन्वंतरि का पूजन कर प्रदेशवासियों की आरोग्यता एवं स्वास्थ्य की कामना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा विज्ञान है अपितु स्वस्थ जीवन जीने की कला भी है। उल्लेखनीय है कि आयुर्वेद को वैज्ञानिक, प्रमाण आधारित और समग्र चिकित्सा पद्धति के रूप में प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीएसटी सुधार एक ऐतिहासिक फैसला, प्रत्येक वर्ग को होगा फायदा: कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी

कहा-देश की आर्थिक ताकत को और मजबूत करने के साथ-साथ नई उम्मीदें जगाएगा जीएसटी सुधार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा के सामाजिक, न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि जीएसटी सुधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐतिहासिक फैसला है, इससे प्रत्येक वर्ग को फायदा होगा। यह कदम न सिर्फ उपभोक्ताओं को राहत देता है, बल्कि छोटे व्यवसायों और मंझोले उद्योगों सहित सभी तरह के उद्योगों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। अहम पहलू यह है कि नागरिक अब कम जीएसटी का लाभ उठाकर स्वदेशी उत्पाद अपने घर लेकर आएं। प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों को नवरात्रों व दीपावली का बंपर उपहार प्रदान किया है। यह कदम निश्चित तौर पर देश की आर्थिक ताकत को मजबूत करेगा और नई उम्मीद जगाएगा।

हरियाणा के सामाजिक, न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी मंगलवार को कोयल कांप्लेक्स में जीएसटी बचत उत्सव को लेकर प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में जीएसटी सुधारों के लाभ और महत्व की जानकारी आमजन और व्यापारियों तक पहुंचाने के लिए 'जीएसटी बचत उत्सव' शुरू किया गया है। यह अभियान 15 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। इसके लिए आबकारी एवं कराधान विभाग ने विस्तृत कार्य योजना से शिविर आयोजित करेगी। अभियान का पहला चरण 22 से 29 सितंबर तक चलेगा।

उन्होंने कहा कि तमाम जरूरी वस्तुओं पर टैक्स या तो खत्म कर दिया है या फिर काफी कम कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से यह जानकारी दी थी कि दिवाली से पहले देश को बड़ा तोहफा मिलेगा। अब जीएसटी सुधार योजना लागू कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आगे बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। सभी के लिए विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और व्यवसायों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित होगी।

मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सिर्फ राजस्व संग्रह नहीं है, बल्कि देश के हर नागरिक की जीवन गुणवत्ता सुधारना है। टैक्स दरों की इस बड़े पैमाने पर समीक्षा से आम आदमी की रोजमर्रा की खर्चों में कमी आएगी, स्वास्थ्य और बीमा सेवाएं सस्ती होगी, और व्यापारिक माहौल में सुगमता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि नई जीएसटी दरों से सबसे बड़ी राहत खाद्य पदार्थों और घरेलू उपयोग की वस्तुओं में आई है। दूध, घी, पनीर, बिस्कुट, चॉकलेट, सूखे मेवे, नमकीन इन सब पर कर घटने से उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। किसानों और शिक्षा-स्वास्थ्य क्षेत्र को भी बड़ी राहत दी गई है। जीएसटी दरों के घटने से ऑटोमोबाइल की दुकानों पर ग्राहकों की लाइन लगनी शुरू हो गई है। इससे उत्पादन और खपत दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने काग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपीए सरकार जीएसटी लागू नहीं कर पाई थी, क्योंकि राज्यों को केंद्र पर भरोसा नहीं था। पूर्व की सरकारों में वैट वाले शासनकाल में कोई एक समान कर दरें नहीं थीं। इसलिए भाजपा सरकार बनने के बाद राज्यों के सहयोग से सरकार द्वारा 2017 में जीएसटी लागू किया गया था।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ने प्रैस कोन्फ्रेंस में पहुंचने पर मंत्री कृष्ण बेदी सहित सभी का अभिनंदन किया। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने प्रेस कान्फ्रेंस के अंत में सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्षा ज्योति सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व विधायक लीला राम, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर, पूर्व जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड़, पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल तंवर, वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह, जिला महामंत्री सुरेश संधू व मनीष शर्मा, शक्ति सौदा, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन यशपाल प्रजापति, अजीत चहल, अरुण सर्राफ, शीशपाल जिंदल, नगर परिषद की उपाध्यक्ष सीमा सहित जिला प्रशासन की ओर से डीएमसी कपिल शर्मा, जीएसटी विभाग की उप आयुक्त सीमा बिड़लान सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

खेलों को बनाएं अपने जीवन का हिस्सा: हरविन्द्र कल्याण

स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने खेल परिसर बसताड़ा में एथलेटिक्स खेल प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि हमें खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। खेलो से केवल शारीरिक लाभ ही नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक विकास भी होता है। खेल हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हैं। खेल तनाव को कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने में मदद करते हैं। सभी को खेलों को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण मंगलवार को सेवा पखवाडा कार्यक्रम के अंतर्गत राजीव गांधी खेल परिसर बसताडा मे एथलैटिक्स खेल प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेलकूद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व जैसे गुणों को भी बढ़ावा देता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा पखवाड़े का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक सेवा की भावना पहुंचाना है, और इस तरह के खेल आयोजन युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। श्री कल्याण ने कहा कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए यह आवश्यक है कि हर व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत हो, और खेलों से बेहतर कोई साधन नहीं है। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन और इंटरनेट की दुनिया से बाहर निकलकर मैदान में आए और खेलों में सक्रिय रूप से भाग लें। सरकार भी खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सरकार द्वारा खेल अकादमियों की स्थापना और खिलाडियों को उच्च स्तर पर सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

कार्यक्रम मे जिला खेल अधिकारी राजबीर सिंह रंगा, नोडल अधिकारी एडवेंचर जोगेन्द्र कुमार, बॉक्सिंग प्रशिक्षक सुरेन्द्र चौहान, वॉलीबॉल प्रशिक्षक अश्वनी कुमार, बास्केटबॉल प्रशिक्षिका बरखा रानी,एथलेटिक्स प्रशिक्षक सतीश कुमार, साइकिलिंग प्रशिक्षक ओंकार सिंह, तैराकी प्रशिक्षक कंवलजीत सिंह, फुटबॉल प्रशिक्षक, भुपेन्द्र सिंह, कनि0 वुशु प्रशिक्षिका रोमियो मोकल सहित अन्य प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

मंत्री कृष्ण बेदी ने मार्केट में जाकर दी जीएसटी सुधारों की जानकारी, व्यापारियों से मिले मंत्री

व्यापारियों ने बताया-जीएसटी सुधारों का मार्केट में व्यापक सकारात्मक असर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी मंगलवार को कैथल में मार्केट में व्यापारियों से मिले और जीएसटी सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने व्यापारियों, आम दुकानदारों का आह्वान किया कि वे सरकार के फैसले अनुसार आमजन को इन सुधारों का लाभ पहुंचाएं। व्यापारियों ने मंत्री कृष्ण बेदी का स्वागत किया और कहा कि जीएसटी सुधारों का मार्केट में व्यापक सकारात्मक असर है।

मंत्री कृष्ण बेदी सबसे पहले भाजपा नेता एवं व्यापारी अरुण सर्राफ के होटल पहुंचें। जहां उन्होंने होटल इंडस्ट्री को मिली जीएसटी में राहत की जानकारी दी और इंडस्ट्री पर होने वाले असर पर चर्चा की। इसके बाद मंत्री पतंजलि के स्टोर पर पहुंचें। जहां उन्होंने स्टोर संचालक अशोक कुमार मित्तल के साथ देश में उत्पादित सभी तरह की आम जरूरत की वस्तुओं पर कम हुए जीएसटी को लेकर चर्चा की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। पूरे देश में इन जीएसटी सुधारों का असर होगा। दूध उत्पादन हों, दवाओं की बात हो, कृषि क्षेत्र के उपकरण सहित आम जरूरत की वस्तुओं में जबरदस्त छूट दी गई है। घी में भी 12 प्रतिशत से पांच प्रतिशत जीएसटी कर दिया गया है। छोटे दुकानदारों, छोटे उद्योगपतियों सहित तमाम तरह के उद्योगों को इससे लाभ होगा। साथ ही स्वदेशी अभियान माननीय प्रधानमंत्री ने चलाया है, आमजन इसमें बढ़चढ़ कर सहयोग कर रहा है। प्रदेश सरकार सहित भाजपा का संगठन लोगों के बीच जाकर इन सुधारों की जानकारी दे रहा है। पहले नवरात्र पर प्रधानमंत्री ने यह तोहफा दिया है।

इसके बाद मंत्री महिंद्रा कार एजेंसी में पहुंचें। जहां एजेंसी के सीईओ वरुण मिगलानी ने उनका स्वागत किया। यहां जीएसटी छूट का लाभ लेते हुए कार खरीदने आए लोगों ने मंत्री का स्वागत किया और सरकार का आभार जताया। मंत्री ने कार की चाबी देकर उनकी खुशी में शामिल हुए।

जीएसटी सुधारों की जानकारी देने मंत्री कृष्ण बेदी एकांश मोटर्स में पहुंचें। जहां एजेंसी मालिक पंकज बंसल व अनूप बंसल ने उनका स्वागत किया। यहां कार खरीद रहे नरवाना से आए एक परिवार ने मंत्री कृष्ण बेदी को बताया कि उनके परिवार में इस सरकार में दो बेटे बिना पर्ची-खर्ची के नौकरी पर लगे हैं। एक बेटे ने तो पांचवीं नौकरी ज्वाइन की है। इसी कारण आज वे यहां कार खरीदने पहुंचे हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि यह भाजपा सरकार में बिना पर्ची-खर्ची के नौकरी सहित अब जीएसटी सुधार का तोहफा देकर आम आदमी को बड़ी राहत दी है। जिस कारण लोग बाइक से कारों की ओर रुख करने लगे हैं। यहां उन्होंने तीन परिवारों को कार की चाबियां सौंपी और परिवार की खुशियों में शामिल हुए।

एजेंसी संचालक पंकज बंसल ने उन्हें कारों पर जीएसटी सुधारों के असर की जानकारी दी और कहा कि इसका बाजार पर सकारात्मक असर हुआ है। इसके बाद उन्होंने भगत सिंह चौक में पुरानी करियाना मंडी का दौरा किया, जहां उन्होंने करियाना दुकानदारों से जीएसटी सुधारों पर बातचीत की। साथ ही आवश्यक जानकारी दी। इसके बाद फार्मट्रेक ट्रैक्टर सहित अन्य दुकानों का दौरा किया और जीएसटी सुधार के फायदे बताए। हरियाणा के सामाजिक, न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने मंगलवार सायं नई अनाज मंडी का दौरा किया और धान खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने आढ़तियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके साथ साथ उन्होंने किसानों से भी बातचीत की। किसानों को कृषि उपकरणों पर जीएसटी सुधारों की जानकारी दी। साथ कहा कि धान खरीद में यदि किसी अधिकारी की लापरवाही मिली तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। माननीय नायब सिंह सैनी के प्रयासों से केंद्र सरकार ने धान खरीद को आठ दिन पहले ही शुरू करवाकर बड़ी राहत दी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान खरीद प्रक्रिया में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

इस अवसर पर जिला अध्यक्षा ज्योति सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर, पूर्व विधायक लीला राम, पूर्व जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड़, जिला महामंत्री सुरेश संधू व मनीष शर्मा, शक्ति सौदा, अजीत चहल, अरुण सर्राफ सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति के अर्थ को बदला: हरविन्द्र कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति के अर्थ को बदल दिया है,पहले राजनीति को केवल सत्ता और उसके उपयोग के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब सत्ता का उपयोग केवल सेवा के लिए किया जाता है। आज प्रधानमंत्री से लेकर सभी जिम्मेदार नेता लोगों के बीच रहकर कार्य करते हैं।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण मंगलवार को गांव मोहिदिनपूर में सेवा पखवाड़े के तहत आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने बढ़ चढ़ कर रक्तदान शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने रक्तदान करने वाले व्यक्तियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में देश भर में सेवा पखवाड़ा चलाया जा रहा है,जिसके तहत लगातार सेवा के कार्य अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में प्रशासन, सामाजिक संस्थाएं और व्यापारिक संगठन के साथ समाज के लोग मिलकर हिस्सा ले रहे। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन संघर्ष भरा जीवन रहा है, उन्होंने गरीबी व कठिनाइयों को बहुत करीब से अनुभव किया है। यही कारण है कि वे आज प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए हर गरीब की चिंता करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में व्यवस्थाओं में काफी बदलाव हुए है। आज सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है। योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में जाता है। जिससे भ्रष्टाचार खत्म हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि आज आयोजित कार्यक्रम केवल रक्तदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर व्यक्ति में सेवा भाव को जागृत करने का अवसर है। सेवा पखवाड़े का यही अर्थ है कि हम सब मिलकर समाज के लिए अच्छे के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि हमे अपने इलाके को तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ाने तो बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने और उन्हें अच्छे संस्कार देने की आवश्यकता है ताकि एक खुशहाल समाज का निर्माण हो सके।

इस मौके पर बीडीपीओ मोनिका, मंडल अध्यक्ष सचिन राणा, संजय खैची, सरपंच गंगाराम कोषाध्यक्ष जोगिंदर सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष जोगिंद्र राणा, चंचल राणा, सुरेंद्र आर्य, सतीश भाटिया, संदीप चौहान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा: एसएचओ ढांड व एसएचओ सीवन ने महिलाओं व छात्राओं को किया जागरूक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा पुलिस द्वारा पूरे प्रदेशभर में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम, ट्रैफिक नियमों की जानकारी, नशा मुक्ति, साफ-सफाई तथा पौधारोपण जैसे विषयों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक जागरूकता का संदेश पहुंचाना और आमजन को कानून, सुरक्षा व सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग करना है।

पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने बताया की इसी कड़ी में थाना ढांड की एसएचओ एसआई रेखा द्वारा जनता कॉलेज कौल, ढांड कॉलेज तथा फरल स्कूल में तथा थाना सीवन की एसएचओ एसआई सुनीता द्वारा गांव खानपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिलाओं व छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने महिला विरुद्ध अपराधों, साइबर अपराधों और ट्रिप मॉनिटरिंग सिस्टम के महत्व बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

इस दौरान एस एच ओ ने छात्राओं व महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिला सुरक्षा हरियाणा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या अपराध का सामना करना पड़े तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें और 112 नंबर पर सूचना दें। उन्होंने कहा कि चुप रहना अपराध को बढ़ावा देता है, इसलिए अपनी समस्या को खुलकर सामने रखें। साइबर अपराधों से बचाव के लिए पुलिस ने बताया कि किसी भी अज्ञात लिंक, संदिग्ध कॉल या अजनबी द्वारा भेजे गए एप्लीकेशन को डाउनलोड न करें। अपनी निजी व बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साइबर ठग नई-नई तरकीबों से लोगों को निशाना बनाते हैं, इसलिए सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

ट्रिप मॉनिटरिंग सिस्टम की जानकारी देते हुए बताया गया कि यह महिलाओं व छात्राओं के लिए यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने का एक प्रभावी साधन है। इस सिस्टम से न केवल परिजनों को सुरक्षा की जानकारी मिलती है बल्कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस तुरंत मदद के लिए पहुंच सकती है।

इस मौके पर महिलाओं व छात्राओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और कहा कि पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऐसे जागरूकता अभियान से उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए महिला सुरक्षा, साइबर सतर्कता और सामाजिक जिम्मेदारियों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।
संपर्क करें: 9871221635

जीएसटी की घटी दरों से लोगो में खुशी की लहर: योगेंदर राणा रोड शो निकाल कर किया व्यपारियों व जनता को जागरूक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की जन्म दिवस के उपलक्ष में चल रहे सेवा पखवाड़ा के तहत जीएसटी की घटी हुई दरों को लेकर विधायक योगेंद्र राणा ने नगर मे रोड शो कर भाजपा की नीतियों का प्रचार प्रसार किया और पंजाबी धर्मशाला से होते मेन बाजार व जींद चोंक से होते हुए सालवन चौंक रोड शो निकला। रोड शो मे विधायक योगेंद्र राणा व कार्यकर्ताओ ने बैनर के साथ बाजार मे जीएसटी मे दी गई राहत के प्रचार प्रसार किया ताकि जीएसटी दरों में किए गए ऐतिहासिक कदम का अधिक से अधिक प्रचार करके जनता को राहत सुनिश्चित करना ताकि हर कोई इससे लाभांवित हो सके।

इस मौके पर विधायक ने कहा है कि जनता के हितों को लगातार तवज्जो देते हुए केन्द्र व प्रदेश की सरकार जनता के हित में कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में जीएसटी दरों में भारी कटौती करके केन्द्र सरकार ने हर वर्ग को राहत दी है। विधायक ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कटौती किए जाने से हर वर्ग को डबल फायदा मिला है। एक और आवश्यक जरूरत की वस्तुएं सस्ती हुई है वहीं इससे देश के विकास की रफ्तार बढ़ेगी। उन्होंने इस जीएसटी रिफॉर्म को विकसित भारत बनाने की दिशा में मोदी सरकार का आवश्यक कदम बताया और कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से ही नए पीढ़ी के जीएसटी से देश की जनता को राहत मिलनी शुरू हो गई है, जो स्वागत योग्य है।

इस अवसर चारों मंडल अध्यक्ष हिमांशु छाबडा, विजय राणा, जय भगवान जांगड़ा, सुलिन्दर, नपा चेयरपर्सन सुनीता अरडाना, पूर्व नपा चेयरमेन हरबीर, मनोनीत पार्षद सतीश वर्मा, विक्की जुनेजा, वाइस चेयरमेन राजेंदर ढींगड़ा रोकी मट्ठ, बृज लाल टक्कर, अमित राणा, डा बूटी राम, काली राम बिंदलआदि ने रोड शो में भाग लिया।

परिवार, समाज व देश के भविष्य को खतरे में डालता है नशा: डीएसपी कुलदीप बेनीवाल

आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक करने के साथ नशा ना करने के शपथ दिलवा रही पुलिस

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला कैथल को नशा मुक्त बनाने के लिए जिला पुलिस द्वारा विशेष अभियान तहत आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक किया जा रहा है। अभियान में पुलिस युवाओं को नशे से दूर रखने तथा खेलों से जोड़ने के लिए खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है। अभियान के माध्यम से पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत कराना तथा नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है।

डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा, जो देश के भविष्य है। नशा परिवार, समाज सहित देश के भविष्य को खतरे में डालता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त अभियान के सार्थक परिणाम सामने आ रहे है तथा जिला के अनेक युवा खेलों की ओर आकर्षित हो रहे है। जिला पुलिस से नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील, महिला सिपाही किस्मत, एसपीओ राजपाल तथा एसपीओ प्रदीप कुमार की टीम द्वारा मंगलवार को थाना पूंडरी क्षेत्र के गांव दुसैन में डोर टु डोर अभियान चलाकर युवाओं सहित आमजन को नशा न करने के बारे में जागरूक किया गया तथा नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई। डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि सभी नशा मुक्त भारत अभियान में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार करने वालों की सूचना डायल 112 पर पुलिस विभाग को दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।